भारतीय अर्थव्यवस्था

By Aanand Sir

राष्ट्रीय आय National Income

राष्ट्रीय आय किसी देश की एक वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के मौद्रिक मूल्य के भाग से होता है। राष्ट्रीय आय में उन सभी अंतिम वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्यों को सम्मिलित किया जाता है, जो देश के नागरिकों द्वारा घेरलू सीमा में अथवा देश के बार रहकर उत्पादित किया जाता है।

महत्वपूर्ण तथ्य

- भारत में राष्ट्रीय आय की गणना किसके द्वारा की जाती है। - केंद्रीय सांख्यिकी संगठन (CSO)
- भारत में राष्ट्रीय आय समिति का गठन कब किया गया है। - वर्ष 1949
- भारत में सांख्यिकी आंदोलन का जनक किसे कहा जाता है। - प्रशांत चंद्र महालनोबिस
- आधुनिक राष्ट्रीय लेखा प्रणाली का पिता किसे कहा जाता है। - ग्रेगरी किंग
- भारत में राष्ट्रीय आय के आँकड़े वित्तीय वर्ष पर आधारित होते हैं वित्त वर्ष -1 अप्रैल से 31 मार्च तक
- राष्ट्रीय आय मापन के लिए अब आधार वर्ष - वर्ष 2011-12 है। इससे पहले आधार वर्ष वर्ष 2004-2005 था।
- सर्वप्रथम दादा भाई नौरोजी (The Great Old Man of के नाम से जाने जाते हैं) ने राष्ट्रीय आय का आकलन करते हुए 1867-68 ई में भारत के प्रति व्यक्ति आय 20 रुपए होने का आंकलन किया था।

- अंतिम वस्तु - उपभोग में प्रयोग होने वाली वस्तु, जैसे-ब्रेड
- मध्यवर्ती वस्तु - उत्पादन की क्रिया में प्रयोग होने वाले वस्तु जैसे- आटा
- चालू किमतों पर राष्ट्रीय आय- राष्ट्रीय आय का आंकलन जब चालू बाजार कीमतों पर हो रहा हो, इसके राष्ट्रीय मौद्रिक आय भी कहते हैं।
- स्थिर कीमतों पर राष्ट्रीय आय- जब राष्ट्रीय आय का आंकलन आधार वर्ष के आधार पर किया जात है। इसको वास्तविक आय भी कहा जाता है।

राष्ट्रीय आय की अवधारणाएं-

1. सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)**
2. शुद्ध घरेलू उत्पाद **(NDP)**
3. सकल घरेलू उत्पाद **(GNP)**
4. शुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद **(NNP)**

Note:-1 बाजार कीमत- जिस पर क्रेता वस्तु को खरीदता है, विक्रेता बेचता है।

Note:-2 साधन कीमत -वस्तु उत्पादन आने वाली कुल लगात साधन कीमत कहलाती है।

राष्ट्रीय आय के मापने की विधियाँ :-

1. उत्पादन विधि

   उत्पाद पद्धति = कृषि + वानिकी, मत्स्य + विनिर्माण + उत्खनन + ...
2. आय विधि- इसके अंतर्गत उत्पादन के सभी साधनों के द्वारा प्राप्त आय के योग के द्वारा गणना की जाती है।
3. व्यय विधि- बाजार मूल्य पर **GDP** को देश की आर्थिक सीमा के भीतर उत्पादित अंतिम वस्तु एंव सेवा के ऊपर कुल व्यय के द्वारा गणना।

KD LIVE

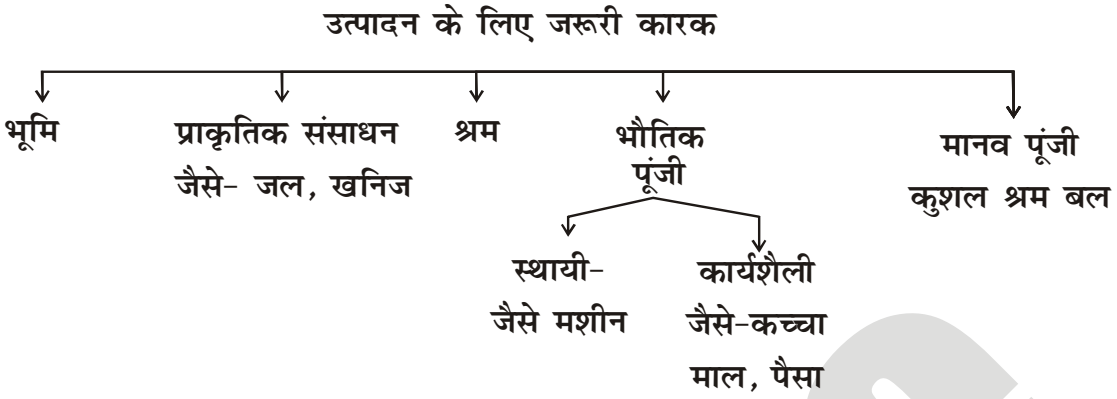

Note:- किस देश में प्राथमिक, द्वितीय क्षेत्र में जितना विकास होगा, तृतीय क्षेत्र उतना ही विकसित होगा।

नोट- मूल्य ह्रास (घिसावट)/ मूल्य में आयी कमी (Depreciation)

नोट- **Net Income from Abord**
निवल विदेशी आय **(X – M)**

जहाँ **X =** देशवासियों द्वारा विदेशी में आर्जित आय
M = विदेशसियों के द्वारा हमारे देश से अर्जित आय
[(X –M) = 0 For Closed Economy]

1. सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)**
एक वर्ष के दौरान
घरेलू सीमा के अंदर
निवासियों के द्वारा (विदेशी भी शामिल)
अंतिम वस्तु एवं सेवा का बाजार मूल्य का समग्र योग

उदाहरण- 1 किग्रा. मक्का - 1 किग्रा. मक्के का आटा - 1 किग्रा. मक्के की ब्रेड
तो सिर्फ अंतिम उत्पाद 1 किग्रा. ब्रेड ही शामिल किया जाएगा।

2. सकल राष्ट्रीय उत्पाद **(GNP)**

GNP = GDP + (X – M)

X = विदेश में रहने वाले भारतीयों की आय

M = भारत में रहने वाले विदेशियों की आय

3. विशुद्ध /निवल / शुद्ध/ राष्ट्रीय उत्पाद **(NNP)**

NNP = GNP - Deprication (मूल्य ह्रास)

4. राष्ट्रीय आय **(National Income) –**

NI = बाजार कीमतों पर **NNP** अप्रत्यक्ष कर + **Subside** सब्सिडी

5. वैयक्तिक आय **(Personal Income) –** जो देशविसियों को वास्तव में प्राप्त होती है।

हिंदू वृद्धि दर **(Hindu Rate of Growth) –** अवधारणा को प्रो. राज कृष्ण ने दिया था, इसका संबंध भारतीय अर्थव्यवस्था को निम्न वृद्धि दर से है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भारतीय अर्थव्यवस्था की 3-4% वृद्धि दर को समाजवादी वृद्धि दर नाम दिया।

1991 में उदारीकरण को अंगीकृत करने के बाद दर बढ़ी भारतीय अर्थवव्यवस्था को।

$$\text{प्रति व्यक्ति आय} = \frac{\text{राष्ट्रीय आय}}{\text{कुल जनसंख्या}}$$

नोट- हरा सूचकांक विश्व बैंक द्वारा विकसित किया गया है।

घरेलू सीमा- 1. समस्त राजनैतिक सीमा

KD Live

2. निवासियों द्वारा चलाए जाने वाला जहाज, विमान
3. मछली पकड़ने वाली नौकाएं
4. विदेशों में स्थित दूतावास, वैज्ञानिक केंद्र
5. वायुमंडल **(Air space)**
6. 12 नौटिकल मील (समुद्र) अधिकार
7. विशिष्ट आर्थिक जॉन **(EE2) 200**
   नॉटिकल मील (सिर्फ दोहन)

1. **Real GDP- GDP @ Base Year Price**
2. **Nominal GDP = GDP@ Current Year Price**
3. **DDP Deflator** = $\frac{\textbf{Nominal GDP}}{\textbf{Real GDP}}$
   (Deflator से मुद्रा स्फीति का पता चलता है।**)**
4. **G.V.A = GDP – Taxes on Products + Subsidy or Products.**

राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल किए जाने वाले उत्पाद-

1. आय गणना वर्ष में उत्पादित अंतिम वस्तुएं।
2. गणना वर्ष में उत्पादित परंतु न बिका हुआ उत्पादन।
3. सैनिक सेवाएं
4. विदेशी पर्यटको द्वारा भारत में किया जाने वाला व्यय
5. सरकार द्वारा जनता को प्रदान की जाने वाली फ्री सुविधाएं
6. स्वयं उपभोग के लिए उत्पादन
7. ब्रोक्रर्स कमीशन

राष्ट्रीय आय की गणना में शामिल नहीं की जाने वाली मदें-

1. शेयर
2. अप्रत्याशित लाभ/हानि
3. मध्यवर्ती वस्तु या सेवा (फैक्ट्री की बिजली का बिल...)
4. अवकाश के दौरान किया गया उत्पादन

KD LIVE